श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 269 मार्च, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

बालानगर तथा दुंदुबी किउसं के लिए सीबीबीओ समीक्षा निगरानी बैठक

श्री शनमुख चारी, डीडीएम, श्री रोशन सुपे, एजीएम, नाबार्ड, तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद एवं भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की उपस्थिति में, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित बालानगर किउसं तथा दुंदुबी किउसं में संचालित गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने एवं भावी विकास हेतु एक स्पष्ट मार्ग तैयार करने के लिए 2 मार्च 2026 को एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य रूप से किउसं की व्यावसायिक गतिविधियों में प्रक्षेत्र स्तरीय प्रगति व परिचालन चुनौतियों का आकलन करने के लिए आयोजित की गई थी। श्री चारी एवं श्री रोशन ने किसानों को गुणतायुक्त आगत की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, कस्टम हायरिंग केंद्रों के कामकाज तथा लोकसंपर्क को सुदृढ़ करने तथा लाभप्रदता बढ़ाने के लिए मूल्यवर्धन के व्यावहारिक अवसरों की पहचान हेतु व्यावसायिक संचालन में सुधार पर विस्तृत चर्चा की। श्री प्र शांत तथा डॉ. रफी, किउसं-नेस्ट ने डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के मार्गदर्शन में इस बैठक का समन्वय किया।

सतत विकास के लिए किउसं की कार्यनीतिक समीक्षा तथा क्षमता सुदृढ़ीकरण

श्री रोशन सुपे, एजीएम, नाबार्ड, तेलंगाना क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के दल के साथ 3 मार्च 2026 को पालमुरु सब्जी किउसं तथा मन्याम देवरकाद्रा किउसं का दौरा किया तथा किउसं की प्रगति का आकलन करने हेतु समीक्षा की। इस दौरे के दौरान, श्री रोशन ने बेहतर प्रौद्योगिकी, कस्टम हायरि ग केंद्र उपकरण एवं प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनों तक पहुंच आसान बनाकर किउसं को सुदृढ़ करने में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के प्रयासों की सराहना की। इन प्रयासों से किउसं, सदस्य किसानों को सुलभ खेती मशीनीकरण सेवाएं प्रदान करने, खेती की लागत कम करने तथा मूल्यवर्धित उत्पादों के माध्यम से ज्यादा आय अर्जित कराने में सक्षम हुए। भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं से प्राप्त सहायता ने किउसं की प्रबंधकीय तथा प्रचालन क्षमता को बढ़ाने में काफी सहायता की है। जिससे सदस्य किसानों को गुणतायुक्त आगत, बेहतर विस्तार सेवाएं एवं संपर्क मिल रहे हैं, तथा उत्पादकता एवं आय स्त र बढ़ रहा है। समीक्षा बैठक में किउसं के नेतृत्व वाले कृषि-व्यवसाय विकास को और सुदृढ़ करने तथा किसान समुदाय के लिए सतत आजीविका के अवसर सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों के बीच लगातार स हयोग के महत्व पर बल दिया गया। डॉ. रफी एवं श्री प्रशांत, किउसं नेस्ट ने डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के सहयोग से किउसं का दौरा किया तथा समीक्षा बैठक का आयोजन किया।

प्राकृतिक खेती की तकनीकों के माध्यम से सतत खेती तथा रोज़गार में बढ़ोतरी

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं प्रवर्तित गिरिसिरी किउसं के सदस्यों के लिए ज़मीनी स्तर पर सतत खेती तथा मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने हेतु 4 मार्च 2026 को वंतलामिदी गांव में एक प्रशिक्षण तथा व्यावहारिक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम किसानों की जैविक आगत तथा श्री अन्न -आधारित पौष्टिक उत्पाद तैयार करने के कौशल को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया था, जिससे खेती की उत्पादकता एवं आय के अवसर दोनों सुदृढ़ हों। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. संगप्पा तथा डॉ. रफ़ी ने सहभागियों को गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, चने तथा और उपजाऊ ऊपरी मिट्टी से *घनजीव अमृतम* बनाने का प्रशिक्षण दिया। किसानों को मृदा उर्वरता बढ़ाने व लाभप्रद सूक्ष्मजीवीय गतिविधि बढ़ाने में शामिल खेती के प्राकृतिक तरी कों के अंगीकरण से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया। इसके अलावा, रागी का आटा, गुड़, दूध, इलायची तथा भुने चने का उपयोग करके रागी माल्ट बनाने का एक व्यावहारिक प्रदर्शन कि या गया। इस गतिविधि का उद्देश्य पोषण के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा घर एवं किउसं स्तर पर श्री अन्न मूल्यवर्धन को बढ़ावा देना था। सहभागियों को एक पौष्टिक उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ, जिससे स्थानीय उपयोग के साथ-साथ बाजार अवसर मिल सकते हैं। डॉ. संगप्पा वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने डॉ. रफी तथा सुश्री रश्मिता के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन व संचालन किया।

श्री अन्न प्रसंस्करण एवं उद्यमिता के बारे में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय धारवाड़ के छात्रों का ज्ञानवर्धन

कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ के विज्ञान स्नातक (कृषि) के अंतिम वर्ष के छात्रों ने अखिल भारतीय अध्ययन दौरे के अंतर्गत 5 मार्च 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। इस दौरे में छात्रों को श्री अन्न प्रसंस्करण प्रणाली जैसे सफाई, ग्रेडिंग, मिलिंग तथा मूल्यवर्धन की जानकारी दी गई । उन्हें श्री अन्न-आधारित उत्पाद बनाने में उपयोग होने वाली आधुनिक मशीनों तथा व्यावहारिक तरीकों से परिचित कराया गया, जिससे उन्हें प्रसंस्करण तकनीकी तथा गुणता संबंधी पहलुओं को समझने में सहायता मिली। छात्रों को श्री अन्न -आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध समर्थन प्रणाली के बारे में भी बताया गया। न्यूट्रीहब के सत्रों में इनक्यूबेशन, तकनीकी समर्थन तथा व्यवसाय विकास में इसकी भूमिका के बारे में बताया गया, ताकि छात्र श्री अन्न-आधारित उद्यम शुरू करने तथा उनके प्रबंधन की प्रक्रिया को समझ सकें। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने इस दौरे के दौरान सहभागियों का मार्गदर्शन किया।

श्री अन्न मूल्य शृंखला तथा उद्यम विकास के संबंध में कृषि-व्यवसाय के छात्रों का औद्योगिक ज्ञानवर्धन

कृषि-व्यवसाय प्रबंधन के अंतिम वर्ष के छात्रों ने कृषि -प्रसंस्करण प्रणाली एवं श्री अन्न क्षेत्र में उभरते व्यवसाय के अवसरों को जा ानने के लिए कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय धारवाड़ अपने औद्योगिक दौरे के अतंर्गत 9 मार्च 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे से छात्रों को प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन तथा उत्पाद विकास पर केंद्रित ज्ञानवर्धन के साथ, श्री अन्न की पूरी मूल्य शृंखला को समझने में सहायता मिली। श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक में, उन्हें श्री अन्न-आधारित उद्यम के व्यावहारिक पहलुओं एवं एकत्रीकरण, मूल्यवर्धन तथा किसानों की आय को बेहतर बनाने में किसान उत्पादक संगठन की भूमिका के बारे में बताया गया। इस दौरे से कई महत्वपूर्ण बातें, अर्था त श्री अन्न प्रसंस्करण प्रणाली की व्यावहारिक समझ, श्री अन्न क्षेत्र में व्यवसाय मॉडल का ज्ञानवर्धन ल स्टार्टअप के लिए उपलब्ध संस्थागत समर्थन संबंधी जागरूकता, सीखने को मिली। इसने मूल्यवर्धन, आपूर्ति शृंखला के एकीकरण तथा कृषि में स्व-रोजगार एवं उद्यम विकास के अवसरों पर छात्रों के दृष्टिकोण को भी व्यापक किया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, हैदराबाद, तथा श्री अब्बू सेठ ने इस दौरे का समन्वय किया।

यूपीसीएआर के वैज्ञानिकों को श्री अन्न प्रसंस्करण प्रणाली तथा विकेंद्रीकृत उद्यम के अवसरों का तकनीकी ज्ञानवर्धन

श्री अन्न-आधारित प्रसंस्करण की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्र-विशिष्ट उद्यम मॉडल की खोज पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (यूपीसीएआर) के अंतर्गत कई केंद्रों के वैज्ञानिकों ने 9 मार्च 2026 को भाकृअनुप -भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। यह दौरा बड़े पैमाने पर श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी को समझने एवं उत्तर प्रदेश के अलग-अलग कृषि-जलवायु क्षेत्र में विकेंद्रीकृत प्रसंस्करण एकक स्थापित करने के अवसरों की पहचान करने पर केंद्रित था। वैज्ञानिकों को मूल्यवर्धन प्रक्रियाएं, उत्पाद विविधिकरण तथा किसानों की आय बढ़ाने एवं बाजार पहुंच में सुधार करने में स्थानीक प्रसंस्करण की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। दल ने श्री अन्न प्रसंस्करण तथा प्रशिक्षण एकक में प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रसंस्करण प्रणाली के प्रचालन पहलुओं का अवलोकन किया, जिसमें मशीनों का चयन, प्रक्रिया प्रवाह तथा गुणता प्रा चल शामिल थे। चर्चाओं में एकक डिजाइन, क्षमता योजना, लागत प्रभाव एवं प्रक्षेत्र स्तरीय कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तंत्र जैसे व्यावहारिक विचार भी शामिल थे। इस विचार-विमर्श से प्रसंस्करण की आधारभूत संरचना को किउसं जैसे किसान-केंद्रित संस्थानों के साथ एकीकृत करने, एकत्रीकरण, मूल्यवर्धन व बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता हेतु महत्वपू र्ण बातें सीखने को मिलीं। इसमें स्थानीय प्रसंस्कृत उत्पाद के माध्यम से श्री अन्न उपयोग को बढ़ावा देने तथा राज्य में मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने के महत्व पर भी बल दिया गया। डॉ. संगप्पा के द्वारा उक्त दौरे का समन्वय किया गया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र का तीसरा स्थापना दिवस समारोह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने श्री अन्न अनुसंधान तथा संवर्धन में तीन वर्षों की प्रगति को चिह्नित करते हुए, 18 मार्च 2026 को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र का तीसरा स्थापना दिवस समारोह मनाया। इसने स्थायी कृषि एवं पोषण सुरक्षा के लिए श्री अन्न को आगे बढ़ाने में प्रमुख उपलब्धियों तथा जारी प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम में श्री अभय शर्मा, प्रचालन प्रमुख (डिजिटलीकरण), आईसीआईसीआई फाउंडेशन (मुख्य अतिथि); डॉ. एस के प्रधान, सहायक महानिदेशक (एफएफसी), भाकृअनुप (आभासी रूप में); डॉ. संजीव गुप्ता, सहायक महानिदेशक (बीज, ओ एंड पी), भाकृअनुप (ऑनलाइन); तथा डॉ. वाई वेंकटेश्वर राव, पद्मश्री पुरस्कार विजेता, रैतु नेस्ताम फाउंडेशन सहित प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने संबोधन दिया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान की विशेषताओं के बारे में बताया, जिसमें श्री अन्न की बेहतर किस्मों का विकास, बीज प्रणाली को सुदृढ़ करना, मूल्यवर्धित उत्पाद को बढ़ावा देना तथा क्षमता निर्माण एवं बाजार संपर्क के माध्यम से किसान उत्पादक संगठन (किउसं) को लगातार सहायता

देना शामिल है। कार्यक्रम के दौरान, कई प्रकाशन तथा नई श्री अन्न प्रौद्योगिकियां लोकार्पित की गईं। उत्कृष्ट कार्यों हेतु संबंधितों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। टेकमल, दुद्दुबी तथा बालानगर किउसं को भी श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा बाजार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से मूल्यवर्धित श्री अन्न प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण के लिए समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना उल्लेखनीय है।

आत्मा पुणे के किसानों को श्री अन्न प्रसंस्करण तथा उद्यम विकास के बारे में ज्ञानवर्धन

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), पुणे के एक समन्वयक के साथ 45 प्रगतिशील किसानों के एक समूह ने उपज को कटाई उपरांत मूल्यवर्धन व बाजार के अवसरों के साथ जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, 24 मार्च 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे ने प्रतिभागियों को प्रसंस्करण तथा उत्पाद विविधिकरण के माध्यम से श्री अन्न को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य फसलों के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया समझने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान चर्चा में प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त श्री अन्न किस्मों का चयन, उत्पाद की गुणता बनाए रखने एवं बाजार की मांग के साथ उत्पादन को संरेखित करने जैसे व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों को कच्चे श्री अन्न का प्रबंधन ग्रेडिग तथा उपभोक्ता हेतु तैयार उत्पादों में रूपांतरण शामिल, प्रसंस्करण इकाइयों के कार्यप्रवाह से अवगत कराया गया। स्थानीय तथा शहरी बाजारों में श्री अन्न -आधारित उत्पादों को बेचने के लिए आवश्यक पैकेजिग, ब्रांडिग एवं बुनियादी विपणन कार्यनीतियों पर भी चर्चा हुई।

किसानों की बाजार तक पहुंच सुदृढ़ करने के लिए ग्राम विश्वास एफपीसीएल के द्वारा चना खरीद केंद्र की स्थापना

ग्राम विश्वास किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ने बाजार पहुंच में सुधार, उचित मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित करने तथा किसान केंद्रित मूल्य शृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए, 19 मार्च 2026 को बीदर जिले के मेहकर गांव में चना खरीद केंद्र की स्थापना की। किउसं को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान द्वारा एसएफएसी से संस्थागत समर्थन के साथ आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत बढ़ावा दिया गया है। यह प्रयास बेहतर एकत्रीकरण प्रणाली, बेहतर कटाई उपरांत प्रबंधन तथा बढ़े हुए बाजार संबंधों के माध्यम से किउसं को सुदृढ़ करने पर भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। ग्राम स्तर पर खरीद हेतु बुनियादी ढांचे की स्थापना से किसानों की बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई तथा कृषि बा जारों में उनकी सौदेबाजी क्षमता में सुधार हुआ। किउसं के निदेशक मंडल द्वारा किसानों एवं हितधारकों की उपस्थिति में खरीद केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र मेहकर गांव के किसानों को उनकी चने की उपज को कुशलतापूर्वक बेचने के लिए एक विश्वसनीय पारदर्शी मंच उपलब्ध करा रहा है। भारत सरकार ने रबी विपणन मौसम 2026-27 के लिए चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 5,875 प्रति क्विंटल निर्धारित किया, जिससे किसानों को आश्वस्त एवं लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित होगा। इस सुविधा के माध्यम से किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर आधारित खरीद का लाभ उठा सकते हैं, समय पर भुगतान प्राप्त कर सकते हैं तथा परिवहन लागत कम कर सकते हैं, जिससे उनकी कुल आय बेहतर होती है। केंद्र ने एकत्रीकरण, गुणता आकलन तथा थोक विपणन जैसी गतिविधियों को सक्षम बनाकर किउसं को प्रचालन रूप से सुदृढ़ करने में भी सहायता की। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने कर्नाटक के समन्वयकों के साथ मिलकर किउसं को किउसं प्रक्षेत्र के पास खरीद की सुविधाओं की व्यवस्था हेतु मार्गदर्शन किया।

श्री अन्न प्रसंस्करण तथा किसान केंद्रित व्यवसाय मॉडल पर वैश्विक शिक्षा विनिमय

श्री अन्न-आधारित प्रणाली में अनुभवात्मक शिक्षा के लिए वैश्विक सहभागियों को एक साथ लाने के लिए, मैनेज तथा इक्रिसेट के आईटीईसी प्र तिनिधि मंडल के दो दलों ने 23 मार्च 2026 को श्री अन्न प्रसंस्करण एकक का दौरा किया। इस दौरे में 12 देशों के 47 सहभागियों ने प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के माध्यम से श्री अन्न को आधुनिक कृषि - खाद्य प्रणाली में प्रभावी तरीके से एकीकृत करने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डॉ. रफ़ी ने चर्चा के दौरान व्यावहारिक कार्यप्रवाह, उत्पाद रूपांतरण तथा श्री अन्न की उपयोगिता एवं बाजार मांग को बढ़ाने के तरीकों के बारे में बताया। श्री अन्न किसान उत्पादक संगठन ढांचे पर चर्चा के दौरान, सामूहिक संस्थान के द्वारा एकत्रीकरण को समर्थन, आपूर्ति शृंखला को सुव्यवस्थित करने, एवं किसानों की बाजार तक पहुंच को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई। चर्चाओं में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों में अपनाये जा सकने वाले लचीले मॉडलों पर बल दिया गया। इस कार्यक्र म ने तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों से जोड़कर अत्यंत महत्व प्रदान किया, जिससे प्रतिभागियों को अपने -अपने देशों में श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने के अवसरों की पहचान करने में स हायता मिली। इसने संस्थागत तंत्रों, उद्यमिता के मार्ग एवं किसान-केंद्रित विकास दृष्टिकोणों पर परस्पर सीखने की प्रक्रिया को भी सुगम बनाया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डॉ. रफी, किउसं नेस्ट ने इस दौरे को सुगम बनाया, जिससे यह एक संवादात्मक एवं परिणामोन्मुख सीखने का साधन बन सका।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान एवं अन्य सहोधर संस्थानों में राजभाषा कार्यान्वयन का निरीक्षण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 10 मार्च, 2026 को श्री राम दयाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), भाकृअनुप, नई दिल्ली के द्वारा भाश्रीअनुसं एवं हैदराबाद स्थित अन्य सहोधर संस्थानों (केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय तथा राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान) की राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। संस्थान में आगमन पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं के द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्होंने संस्थान के राजभाषा कार्यान्यवन प्रतिवेदन में उल्लिखित बिंदु -प्रति-बिंदु गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के सुचारु संचालन हेतु सराहना करते हुए उनमें तीव्रता लाने हेतु कुछ सुझाव दिए। इस पूरे निरीक्षण का समन्वय डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	दूसरा पक्ष	
06.03.26	वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट एंड इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी	सीबीजी तथा इथेनॉल उत्पादन के लिए श्री अन्न को बढ़ावा देने एवं संयुक्त अनुसंधान हेतु त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री संभाजी कदुपाटिल, महानिदेशक, वीएसआई और श्री संजय गंजू, आईएफजीई	डॉ. ए वी उमाकांत
12.03.26	धन्य लक्ष्मी फूड्स, हैदराबाद	श्री अन्न की मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकी अर्थात ज्वार रोटी - गरम करें व खाएं के लाइसेंस के लिए करार ज्ञापन	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	सुश्री प्रीति कर्तन, साझेदार	डॉ. अमसिद्ध बी
17.03.26	विवेक फूड्स ग्लोबल एक्ज़िम एंटरप्राइजेज, आंध्र प्रदेश	श्री अन्न की दो मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकी अर्थात रागी नट डिलाइट बार तथा बहु श्री अन्न कुकीज़ के लाइसेंस हेतु करार ज्ञापन	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री विजय किरण, प्रबंध निदेशक	डॉ. अमसिद्ध बी
17.03.26	प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता	श्री अन्न पर सहयोगी अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण एवं प्रोत्साहन हेतु समझौता ज्ञापन	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	डॉ. देबज्योति कोनार, रजिस्ट्रार	डॉ. अमसिद्ध बी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

शीर्षक	प्रायोजक अभिकरण	तिथि	अवधि (दिनों में)	सहभागियों की संख्या	सहभागियों का वर्ग
अरुणाचल प्रदेश में उद्यमिता विकास के लिए श्री अन्न में प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकी पर मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और सीओए, पसीघाट, सीएयू, इम्फाल	3-6 मार्च 2026	4	16	उद्यमी, किउसं, महिला एसएचजी
लंबसिंगी किउसं की आदिवासी महिलाओं का कौशल विकास तथा आजीविका संवर्धन	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	6 मार्च 2026	1	30	आदिवासी किसान
उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र में श्री अन्न मूल्य शृंखला के विकास पर कृविकें वैज्ञानिकों के लिए मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद और एआईसीआरपी एनईएच घटक	17 - 20 मार्च 2026	4	15	विषय विशेषज्ञ (एसएमएस)

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	"श्री अन्न तथा खाद्य पोषण सुरक्षा में उद्यमिता के अवसर" भारत का बृहतम 30 दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, "कृषि सारथी क्रांति 2026 2.0"	कृषि सारथी क्रांति	कृषि सारथी क्रांति	ऑनलाइन	10 मार्च 2026
डॉ. संगप्पा	श्री अन्न आधारित आजीविका तथा मूल्य शृंखला का सुदृढ़ीकरण : बीज वितरण व मूल्यवर्धन केंद्र की स्थापना	भाकृअनुप-सीआईटीएच व भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	पश्चिम कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश	आभासी	10 मार्च 2026
डॉ. विकास कुमार	श्री अन्न प्रसंस्करण	राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	गांव लथाऊ, नामसाई, अरुणाचल प्रदेश	प्रत्यक्ष	11 मार्च 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन के तकनीकी सत्र II के दौरान "लघु व सीमांत किसानों के भोजन, पोषण एवं आजीविका सुरक्षा के लिए श्री अन्न को आगे बढ़ाना–एक सफल गाथा" पर व्याख्यान	भाकृअनुप, टीएएएस, सीजीआईएआर और पीपीवीएफआरए	एनएएस, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	12 मार्च 2026
डॉ. संगप्पा	चारा, ज्वार व श्री अन्न पर किसान-वैज्ञानिक संपर्क-सह-प्रशिक्षण कार्यशाला	सीओए, त्रिपुरा	त्रिपुरा	आभासी	12-13 मार्च 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	मक्का तथा श्री अन्न सम्मेलन 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि कृषि - खाद्य प्रणाली में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम में सहभागिता	टेफ्ला और वासेदा ग्लोबल, एमएएसपी (मक्का और श्री अन्न प्रमोशन सोसाइटी) द्वारा समर्थित	लीला एम्बिएंस गुरुग्राम,	प्रत्यक्ष	13 मार्च 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	कृषि – खाद्य प्रणाली में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन के तीसरे दिन के कार्यक्रम में सहभागिता	भाकृअनुप, टीएएएस, सीजीआईएआर और पीपीवीएफआरए	एनएएस, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	14 मार्च 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	आईएसबी पब्लिक पॉलिसी डायलॉग्स 2026 के दौरान "एडवांसिंग फ़ूड सिस्टम ट्रांसफ़ॉर्मेशन : एविडेंस टू पॉलिसी फ़ॉर ए विकसित भारत एंड नेट-ज़ीरो फ़्यूचर" पर गोल मेज़ में सहभागिता	ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू), भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी और आईएसबी	आईएसबी परिसर, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	20 मार्च 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	"रेसिलिएंट सीड सिस्टम्स" पर आईएसएससीए-आईटीईसी अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि	इक्रिसेट, हैदराबाद	आईसीआरआ ईएसएट, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	23 मार्च 2026

न्यूट्रिहब में प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम	प्रायोजक संगठन	तिथि	अवधि	सहभागियों की संख्या
श्री अन्न में उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम	स्वयं	03-06 मार्च, 2026	4	53
श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन में नवीनतम प्रगति	स्वयं	09-10 मार्च, 2026	2	40
स्टार्ट-अप उज्जवलन कार्यक्रम	स्वयं	17 मार्च 2026	1	18
श्री अन्न संग पकवान	स्वयं	18 मार्च 2026	1	22

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डी रेवती, डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in